राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
(वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार)
निफ्ट भोपाल- राजभाषा अनुभाग
National Institute of Fashion Technology
(Ministry of Textiles, Govt. of India)
NIFT Bhopal- Official Language Section

13136/निफ़्ट भोपाल/प्रशा°/हिन्दी समिति/2009/भाग-2 दिनांक: 12/09/2024

हिन्दी कार्यशाला कार्यवृत

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) भोपाल के राजभाषा अनुभाग द्वारा दिनांक 11/09/2024, बुधवार को "हिन्दी दिवस और इसका राष्ट्रीय महत्व" विषय पर जुलाई से सितंबर 2024 तिमाही की हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के लिए अतिथि वक्ता डॉ. विकास दवे, निदेशक, मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी को आमंत्रित किया गया। यह कार्यशाला ले. कर्नल आशीष अग्रवाल, निदेशक निफ्ट भोपाल, श्री अखिल सहाय, संयुक्त निदेशक निफ्ट भोपाल और निफ्ट भोपाल में कार्यरत अधिकारियों , संकाय सदस्यों व कर्मचारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

महोदय ने कार्यशाला में निम्नलिखित बिन्दुओं के माध्यम से व्याख्यान दिया :

- राजभाषा हिन्दी की अभिव्यक्ति हेतु सरल सुबोध शब्दों में धारा-प्रवाह भाषा के उपयोग पर बल दिया।
- भाषा भौगोलिक व सांस्कृतिक पहलू को दर्शाती है - महोदय ने इस तथ्य को इस उदाहरण के साथ समझाया कि अँग्रेजी के मुहावरे "Killing two birds with one stone" का हिन्दी पर्याय "एक पंथ दो काज" हमारे सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों को दर्शाता है।

  इसी प्रकार अँग्रेजी की प्रचलित कविता "Rain-Rain Go away, come again another day" उस भौगोलिक क्षेत्र को आधार मानकर लिखी गई है जहां अतिवृष्टि के कारण जन-जीवन प्रभावित होता है, इसका भारत में उपयोग इतना उपयुक्त नहीं लगता है।
- हिन्दी भाषा के प्रयोग के प्रति हीन भावना को दूर कर हिन्दी भाषा को सम्मान सहित अपनाने के लिए प्रेरित किया।
- मातृभाषा का नागरिक से लेकर राष्ट्र तक प्रभाव को अलफ़ोंस डोड, फ्रांसीसी उपन्यासकर की एक लघु कथा "द लास्ट लेसन" की कहानी के माध्यम से समझाया - जब रशिया ने फ्रांस पर कब्जा कर यह नियम लागू किया कि अबसे फ्रांस के विद्यालयों में फ्रांस भाषा नहीं पढ़ाई जाएगी, यह कहानी फ्रांस भाषा के शिक्षक की उदासीनता को दर्शाती है। यह कहानी किसी भी व्यक्ति, संप्रदाय, राष्ट्र के लिए भाषा के महत्व को दर्शाती है और अपनी भाषा को संरक्षित रखने के लिए हमें प्रेरित करती है।

आगामी हिन्दी पखवाड़ा के संदर्भ से देखें तो यह कार्यशाला इस महायज्ञ में एक आहुति समान रही, क्योंकि महोदय ने अपने वक्तव्य से कार्यशाला में उपस्थित सभी सदस्यों को राजभाषा के प्रति गौरवान्वित रहते हुए, राजभाषा हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यशाला के माध्यम से अतिथि वक्ता ने राजभाषा के महत्व को दिन/सप्ताह/पखवाड़ा विशेष तक सीमित न रखते हुए, राजभाषा को दैनिक जीवन में आत्मसात करने और अपने राष्ट्र के गौरव को बढ़ाने का संदेश दिया।

यह कार्यशाला निदेशक निफ्ट भोपाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुई।

समता
कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी

कार्यशाला की तस्वीरें :

आज़ादी का अमृत महोत्सव
राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल
National Institute of Fashion Technology

****